Gospel Truth
सुसमाचार की सत्यता

विश्वभर में मिशन क्षेत्र के लिए बाईबल निर्देश एव प्रोत्साहन

ISSUE - 2 International Editor : MICHAEL W. SMITH मुद्दा - 2

न ही किसी अन्य में मुक्ति है।

जबयुवकअपनेपापकेकारणस्वयंकोकोड़ेसेपीटरहाथातोउसकेचेहरेसेआँसुओंकीधाराबहरहीथी।दुनियाकेदूसरेहिस्सेमें, एकबूढ़ी, झुर्रियोंवालीमहिलानेएकछविकेसामनेघुटनेटेकदिएऔरअपनेपासमौजूदसारापैसाअर्पितकरदिया।इसबीच,
मरनेसेपहलेएकबुजुर्गव्यक्तिपवित्रशहरकीतीर्थयात्रापरएकलंबी,
धूलभरीसड़कसेगुजररहाथा।
उसीसमय,
एकयुवामहिलानेपवित्रप्रतिमाकेसामनेघुटनेटेकदिएऔरकालेकपड़ेपहनेपुजारीकेसामनेअपनाअपराधस्वीकारकरनेसेपहलेदयाकीप्रार्थनाकी।निकटवर्तीदेशमें,
पूरेशहरमेंप्रार्थनाएँगूंजउठींक्योंकिसैकड़ोंलोगजमीनपरझुकगए।
दुनियाभरकेएकमहाद्वीपपर,
एकअच्छेकपड़ेपहनेहुएपुरुषऔरमहिलाऔरउनकेदोछोटेबच्चोंनेगरीबोंकोसूपदिया।सड़ककेउसपारएकअविवाहितजोड़ेनेशराबकासेवनकियाऔरशरीरकीवासनाभरीभूखोंकोतृप्तकिया।
नहीकिसीअन्यमेंमुक्तिहै

जैसेहीराक्षसोंसेग्रस्तएकयुवालड़केपरखूनअौरपानीफेंकागया, ढोलकी थापऔरभीतेजहोगई। दूरदेशकेएककमरेमें, एकपिता अपनेपैरों कोक्रॉसकरकेध्यानमें शांति औरशांतिकीतलाशकररहेथे।

दूसरेदेशमें,
देवताओंकोप्रसन्नकरनेऔरशांतिलानेकेलिए चढ़ाएगएबलिदानोंकेजलनेसेधुआंउठा।हजारोंमीलदूरएकलड़कीउपदेशकसेहाथमिलानेकेलिएचर्चकेगलियारेसेनीचेचलीगई।हालाँकियेलोगअलग–अलगदेशोंमेंहैंऔरउनकीमान्यताओंऔरप्रथाओंमेंविविधताहै,
लेकिनउनमेंएकचीजसमानहै।वेशांति,
खुशी, तृप्ति औरशाश्वतजीवन कीतलाशकररहेहैं। लोगअपने भीतरके खालीपनको भरनेकेप्रयासमेंस्वयंकीओर, अच्छेकार्योंकीओर, शारीरिकसुखकीओर, पुजारियोंकीओर, पैगम्बरोंकीओर, उपदेशकोंकीओर, बलिदानोंकीओर, सामूहिकप्रार्थनाकीओर, चर्चकीओर, पंथोंआदिकीओरदेखरहेहैं।
आत्मा।वेमोक्षकीतलाशमेंहैंऔरकईलोगयहभीनहींजानतेकिउनकेदिलकिसचीजकेलिएतरसतेहैं।
मुक्तियीशुऔरक्रूसपरचढ़ायेगयेउनकेअलावाकिसीऔरमेंनहींमिलती।
षकिसीअन्यकेद्वाराउद्धारनहींय
क्योंकिस्वर्गकेनीचेमनुष्योंमेंकोईदूसरानामनहींदियागया, जिसकेद्वाराहमउद्धारपासकें (प्रेरितों 4:12)।
लोगदुनियाभरमेंखोजकरसकतेहैंऔरकईचीजोंकात्यागकरसकतेहैं,
लेकिनपूर्तिकीसभीखोजतबतकव्यर्थहोगीजबतकवेयीशुमसीह – जीवितपरमेश्वरकेपुत्र

संपादकीय	बचने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?	बाइबिल अध्ययनः पाप	क्या एक मसीही पाप किये बिना रह सकता है?	क्या आप जानते हैं/ सीजनमेंएकशब्दरूः थोड़ीदेरआरामकरें
पेज.1	पेज.3	पेज.4-5	पेज.6-7	पेज.8

बाइबल

किस बारे में सिखाती है

परमेश्वर का वचन

2 तीमुथियुस 3:16–17, 2 पतरस 1:20–21 मत्ती 24:35

प्रेम का बंधन

मत्ती 22:37–40, यूहन्ना 14:21–23, 1 यूहन्ना 4:7–11

पछतावा

प्रेरित 3:19, प्रेरित 17:30, 2 कुरिन्थियों 7:10

नया जन्म

यूहन्ना 3:3–7, 2 कुरिन्थियों 5:17, रोमियों 6:1–4, इफिसियों 2:1,5–6

पाप से स्वतंत्रता

1 यूहन्ना 5:18, मत्ती1:21, यूहन्ना 8:11

पवित्र आत्मा का भरना

प्रेरित 19:2, प्रेरित 15:8–9, प्रेरित 1:8

पवित्रता

लूका 1:73–75, इब्रानियों 12:14, 1 पतरस 1:15–16, तीतुस 2:11–12, रोमियों 6:22

परमेश्वर का राज्य

लूका 17:20–21, रोमियों 14:17, यहून्ना 18:36 कलीसिया प्रेरित 2:47, इफिसियों 4:4–6, 1 कुरिन्थियों 12:12–13, कुलुसियों 1:18

कता

यूहन्ना 17:20–23, गलातियों 3:28, प्रकाशित वाक्य 18:2–4

आदेश

मत्ती 28:19–20, मत्ती 26:26–30, 1 कुरिन्थियों 11:23–27, यहून्ना 13:14–17

दैवीय चंगाई

लूका 4:18, यशायाह 53:4,5, याकूब 5:13–16

विवाह की पवित्रता

मत्ती 19:5–6, लूका 16:18, रोमियों 7:2–3, 1 कुरिन्थियों 7:10–11

बाहरी रूप

1 तीमुथियुस 2:9–10, 1 कुरिन्थियों 11:14–15, व्यवस्थाविवरण 22:5

अंत का समय

2 पतरस 3:7–12, यहून्ना 15:28–29, 2 कुरिन्थियों 5:10, मत्ती 25:31–46

शांतिवाद

लूका 6:27–29, लूका 18:20 आराधना यूहन्ना 4:23–24, इफिसियों 5:19, 2 कुरिन्थियों 3:17

महान आदेश

मरकुस 16:15

संपादकीय

मेरा हृदय यीशु मसीह के रक्त के माध्यम से पाप से बचाए जाने के लिए धन्यवाद से भरा है। यह मेरी अपनी कोई भलाई नहीं बल्कि भगवान की दया है कि मैं आज बच गया हूं। धर्मग्रंथ और मोक्ष के धर्मशास्त्र की सही व्याख्या से अधिक महत्वपूर्ण मोक्ष का व्यक्तिगत, दिव्य अनुभव है। इससे इतनी शांति मिलती है कि मैं रात को बिस्तर पर जा सकूं और जान सकूं कि मेरे पाप माफ कर दिए गए हैं और मैं ईश्वर की संतान हूं। आराम करने में ऐसा आश्वासन है, मेरी अपनी क्षमता में नहीं, बल्कि हमारे उद्धारकर्ता की शक्ति को बचाने में। मेरी इच्छा और बोझ यह है कि मोक्ष और पाप पर इस तिमाही का अध्ययन दिल और दिमाग को अनुभव की वास्तविकता से अवगत कराएगा और इस विषय पर हमारी दुनिया में प्रचलित झूठी शिक्षाओं को उजागर करेगा।

मैं आभारी हूं कि इस प्रकाशन का वर्तमान में स्पेनिश और स्वाहिली में अनुवाद किया जा रहा है। हम भगवान से चिचेवा और अन्य भाषाओं के लिए अनुवादक उपलब्ध कराने की आशा कर रहे हैं। भगवान की इच्छा से, मैं 23 अक्टूबर से 9 नवंबर तक पाकिस्तान की मिशनरी यात्रा पर जाऊँगा। मैं हर सुसमाचार के प्रयास के लिए आपकी प्रार्थनाओं की सराहना करूँगा। मैं विश्वास की अच्छी लड़ाई लड़ने के लिए सुसमाचार में अपने साथी श्रमिकों को प्रोत्साहित करता हूं। लड़ाई गर्म है, लेकिन जीत यीशु मसीह के माध्यम से हमारी है।

सुसमाचार सत्य

ईश्वर के वचन की सच्चाई को स्थापित करने और प्रोत्साहित करने के हित में सभी देशों के सभी लोगों के लिए ईश्वर के नाम पर गॉस्पेल ट्रुथ पत्रिका प्रकाशित की जाती है। यह प्रकाशन बाइबिल की सच्चाइयों को सिखाता है और बढ़ावा देता है जो ईसा मसीह और प्रेरितों के समय से स्थापित हैं।

सदस्यता

गॉस्पेल ट्रुथ बाइबल की सच्चाइयों में निर्देश और प्रोत्साहन के लिए चर्च ऑफ गॉड के हित में प्रकाशित एक त्रैमासिक पत्रिका है। हमसे ऑनलाइन मुलाकात करें **www.thegospeltruth.org** और वर्तमान प्रकाशन प्राप्त करने के लिए ईमेल अधिसूचना सूची की सदस्यता लें। गॉस्पेल ट्रुथ को स्थानीय वितरण के लिए कई देशों में मुद्रित किया जाता है और यह स्वतंत्र इच्छा की पेशकश द्वारा समर्थित है। अनुरोध पर एक कर रसीद भेजी जाएगी।

संपर्क

सुसमाचार सत्य स्थानीय वितरण के लिए विभिन्न देशों में मुद्रित किया जाता है। इस मुद्रण के लिए सहायता इस कार्यालय के माध्यम से मिलेगी। यह और इस कार्यालय के अन्य मिशनरी प्रयासों को चर्च ऑफ गॉड के नाम पर स्वतंत्र इच्छा से दान द्वारा समर्थित किया जाता है। यदि आवश्यक हो तो कृपया दान के लिए कर रसीद का अनुरोध करें।

मोक्षध्पाप मुक्ति
बचनेकेलिएमुझेक्याकरनाचाहिए ?

प्राथमिककदम

I. **विश्वास** – विश्वासयाभरोसारखनाय किसीसच्ची, वास्तविक, ईमानदारयावास्तविकचीजकोस्वीकारकरना

प्रेरितोंकेकाम 16:30–31 औरउन्हेंबाहरलाकरकहा, हेसज्जनों, उद्धारपानेकेलियेमैंक्याकरूं? औरउन्होंनेकहा, प्रभुयीशुमसीहपरविश्वासरखो, औरतूऔरतेराघरानाउद्धारपाएगा।

यूहन्ना 3:16 क्योंकिपरमे श्वरनेजगतसेऐसाप्रे मरखाकिउसने अपनाएकलौतापुत्रदेदिया, ताकिजोकोईउसपरविश्वासकरे, वहनाशनहो, परन्तुअनन्तजीवनपाए।

रोमियों 10:9 कियदितूअपनेमुंहसेयीशुकोप्रभुजानकरमानले, औरअपनेमनसेविश्वासकरे, किपरमेश्वरनेउसेमरेहुओंमेंसेजिलाया, तोतूउद्धारपाएगा।

II. **कॉल** – अनुरोधकरनेकेलिएय केपूछनेकेलिए

रोमियों 10:13 क्योंकिजोको ईप्रभुसेप्रार्थनाकरे गावहउद्धारपाएगा।

III. **कबूलकरना** – बतानायाबताना, स्वीकारकरना

रोमियों 10:10 क्योंकिमनुष्यधर्मकेलियेमनसेविश्वासकरताहैय औरमुक्तिकेलिएमुंहसेअंगीकारकियाजाताहै।

1 यूहन्ना 1:9 यदिहमअपनेपापोंकोमानलें, तोवहहमारे पापोंकोक्षमाकरने, औरहमें सबअधर्मसेशु द्धकरनेमें विश्वासयोग्य औरधर्मीहै।

नीतिवचन 28:13 जोअपनेपापोंकोछिपारखताहै, उसकाकामसु फलनहींहोताय परन्तुजोउन्हेंमानले ताऔरछोड़भीदेताहै, उसपरदयाकीजाएगी।

IV. **पश्चाताप** – मुँहमोड़नाय अपनामनबदलनाय अफसोस, दुखयापछतावामहसू सकरना

प्रेरितोंकेकाम 3:19 इसलियेतुममनफिराओ, औरमनफिराओ, किजबप्रभुकेसम्मुखसेविश्रामकेदिनआएंगे, तबतुम्हारे पापमिटाएजाएंय

2 कुरिन्थियों 7:10 क्योंकिभक्तिकादु :खउद्धारकेलिये मनफिरावकाफलउत्पन्नकरताहै, परन्तुउससेफिरनफिरनाय परन्तुसंसारकाशो कमृत्युकाकारणबनताहै।

यशायाह 66:2 ... परन्तुमैंउसमन ुष्यकीओरदृष्टिकरूंगाजो कंगालऔरखेदितमनकाहै, औरमेरेवचनसेकांपउठताहै।

V. **प्राप्तकरना** – स्वीकारकरनाय प्रवेशकीअनुमतिदेनेकेलिए

यूहन्ना 1:12 परन्तुजितनोंनेउसेग्रहणकिया, उसनेउन्हें परमेश्वरकेपु त्रहोने कासामर्थदिया, अर्थात्उन्हेंजोउसके नामपरविश्वासरखतेहैं।

एकपापीकीप्रार्थना

प्रियययीशु, मेरामाननाहैकिआपई श्वरकेपुत्रहैं औरआपमेरेपापों केलिएक्रूसपरमरे। मुझेअपनेसभीअपराधों केलिएखेदहै। कृपयामुझेक्षमाकरेंऔर अपनेबहाये हुएरक्तकीशक्तिसेमुझेशुद्धकरें। मैंआपको अपने निजीउद्धारकर्ता केरूपमें स्वीकारकरताहूं औरआपकोअपनेहृदयमें आमंत्रितकरताहूं। मैंपश्चातापकरताहूं और अपनेपापीजीवनको त्यागदेताहूं। मेरीप्रार्थनासुनने औरअपने नामपरविश्वासकेमा ध्यमसेमुझेबचानेकेलिएधन्यवाद ।अनन्तजीवनकेउपहारकेलिएधन्यवाद ।मैंअपनेजीवनकेभगवानकेरूपमेंआपकासम्मानऔरपूजाकर ताहूं।

आमीन

माध्यमिक चरण

I. **होना बपतिस्मा** – पापोंकोधोने औरयीशुमसीहमेंपु नर्जन्मकेप्रतीककेरूपमें किसीकोपूरीतरहसेपानीमेंडुबानेकीविधि

प्रेरितों 2:37–38 मनफिराओ, औरतुममेंसेहरएकबपतिस्माले। मत्ती 28:19 सबजातियोंकोशिक्षादे, औरउन्हेंपिता, औरपुत्र, औरपवित्रआत्माकेनामसेबपतिस्मादे।

II. **पुनर्स्थापना** – जोकुछछीनलियागयाहै, खोगयाहै, याआत्मसमर्पणकरदियागयाहै, उसके असलीमालिकको वापसलौटानेकाकार्य

लूका 19:8–9 औरजक्कईनेकहा, यदिमैंनेकिसीपरझूठबोलकरकुछलियाहो, तोमैंउसेचौगुनालौटादेताहूं।

III. **माफकरना** – क्षमाकरनाय किसीकथित अपराधके परिणामस्वरूपआक्रोशछोड़नाय सजाकीमाँगकरनाबंदकरना

मरकुस 11:25–26 औरजबतुमखड़ेहोकरप्रार्थनाकरो, तोक्षमाकरो।

धर्मग्रंथपढ़नारू

रोमियों 6:13–18

और न अपने अंगो को अधर्म के हथियार होने के लिये पाप को सौंपो, पर अपने आप को मरे हुओं में से जी उठा हुआ जानकर परमेश्वर को सौंपो, और अपने अंगो को धर्म के हथियार होने के लिये परमेश्वर को सौंपो।

और तुम पर पाप की प्रभुता न होगी, क्योंकि तुम व्यवस्था के आधीन नहीं वरन अनुग्रह के आधीन हो।

तो क्या हुआ क्या हम इसलिये पाप करें, कि हम व्यवस्था के आधीन नहीं वरन अनुग्रह के आधीन हैं? कदापि नहीं।

क्या तुम नहीं जानते, कि जिस की आज्ञा मानने के लिये तुम अपने आप को दासों की नाईं सौंप देते हो, उसी के दास होरू और जिस की मानते हो, चाहे पाप के, जिस का अन्त मृत्यु है, चाहे आज्ञा मानने के, जिस का अन्त धामिर्कता है

परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, कि तुम जो पाप के दास थे तौभी मन से उस उपदेश के मानने वाले हो गए, जिस के सांचे में ढाले गए थे।

और पाप से छुड़ाए जाकर धर्म के दास हो गए।

बाईबिल अध्ययन मार्गदर्शिका

विषय : पाप

I. पापकीउत्पत्ति

A. रोमियो 5:12 एकमनुष्यकेद्वारापापजगतमेंआया।

B. रोमियों 5:19 एकमनुष्यकेआज्ञानमाननेसेबहुतलो गपापीबनगए।

II. मनुष्यकापापीस्वभाव

A. उत्पत्ति 8:21 मनुष्यकेमनकीकल्पनाबचपनसेहीबुरीहोतीहै।

B. इफिसियों 2:2–3 मनुष्यस्वभावतःपापीहै।

C. रोमियों 7:14–15 मुक्तिनपायाहुआमनुष्यपापकेअधीनशारीरिकहै।

D. यिर्मयाह 17:9 परमेश्वरकेबिनामनकपटपूर्णऔरदुष्टहै।

III. पापकास्थान

A. मरकुस 7:20–23 जोअपवित्रकरताहैवहभीतरसेआताहै।

B. मैथ्यू 15:18 पापहृदयकेभीतरसेआताहै।

IV. सभीनेपापकियाहै

A. रोमियो 3:23 क्योंकि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं।

B. रोमियों 3:9 यहूदीऔरअन्यजातिसबपापकेवशमेंहैं।

C. 1 यूहन्ना 1:8–10 यदिहमकहेंकिहममेंकोईपापनहीं, तोहमअपनेआपकोधोखादेतेहैं।

V. पापकरनेवालेसभीशैतानकेहैं

A. 1 यूहन्ना 3:8 एजोपापकरताहैवहशैतानकीओरसेहै।

VI. पापमेंप्रकाशकीजानबूझकरअस्वीकृतिशामिलहै

A. यूहन्ना 15:22–24 आरोपितपापज्ञानकापरिणामहै।

B. यूहन्ना 9:41 जहाँप्रकाशनहींवहाँकोईपापनहीं।

C. रोमियों 5:13 जबकोईव्यवस्थानहोतोपापकादोषनहींलगायाजाता।

VII. प्रलोभनपापनहींहै

A. मैथ्यू 4:1 शैताननेयीशुकीपरीक्षाकी।

B. इब्रानियों 4:15 मसीहकीभीहमारीनाईपरीक्षाहुई, तौभीनिष्पापहुआ।

C. जेम्स 1:14–15 जबअभिलाषागर्भवतीहोतीहै, तोपापकोजन्मदेतीहै आठवीं.पापकीशक्ति।

VIII. नौवीं पापकाप्रभाव

A. रोमियों 7:14–15 शरीरमेंपापपरविजयपानेकीकोईशक्तिनहींहै।

B. रोमियों 7:23 प्राकृतिकमनुष्यपापकीव्यवस्थाकीकैदमेंहै।

IX. पापकेपरिणाम

A. यशायाह 59:2 पापपरमेश्वरसेअलगकरताहै।

B. बीजेम्स 1:15 पापमृत्युकोजन्मदेताहै।

C. जॉन 8:34 पापबंधनलाताहै।

X. पापकेपरिणाम

A. यूहन्ना 8:21–24 जोलोगअपनेपापोंमेंमरजातेहैंवेमसीहकेसाथनहींहोसकते।

B. रोमियों 6:23 क्योंकिपापकीमजदूरीमृत्युहै।

C. भजनसंहिता 9:17 दुष्टलोगनरकमेंबदलदिएजाएंगे।

D. मत्ती 25:46 अनन्तदण्ड।

E. प्रकाशितवाक्य 21:8 आगकीझीलकीसजादीगई।

XI. कानूनकेबलिदानोंसेपापदूरनहींहुए

A. इब्रानियों 10:1–4 बैलोंऔरबकरोंकालोहूदूरनहुआ पाप।

B. 1 राजा 8:46 मूसाकीव्यवस्थाकेअधीनकोईभीबिनापापकेनहींरहताथा।
(ईसीएल 7:20)

C. रोम 8:3 व्यवस्थाशरीरकेद्वारानिर्बलथी।

D. 1 कुरिन्थियों 15:56 मृत्युकादंशपापहै।

XII. बारहवीं मसीहकेप्रायश्चितकेमाध्यमसेमुक्ति

A. जकर्याह 13:1 पापकेशुद्धिकरणकीभविष्यवाणी।

B. बीमैथ्यू 1:21 यीशुकाजन्मअपनेलोगोंकोउनकेपापोंसेबचानेकेलिएहुआथा।

C. रोमियों 5:10–12 मसीहकेमाध्यमसेपापकाप्रायश्चित।

D. 1 यूहन्ना 4:10 यीशुहमारेपापोंकाप्रायश्चितहै।

E. इब्रानियों 9:26 यीशुनेअपनेबलिदानकेद्वारापापकोदूरकिया।

F. 1 जॉन 3:5 यीशुहमारेपापोंकोदूरकरनेकेलिएआये।

XIII. पापनकरनेकानिर्देश

A. यूहन्ना 8:11 जाओ, औरफिरपापनकरो। (यूहन्ना 5:14)

B. बीरोमियों 6:12 पापहमारेशरीरमेंराजनहींकरनाचाहिए।

C. मैंकुरिन्थियों 15:34 पापनहीं।

XIV. पापकेबिनाजीनेकीशक्ति

A. 2 कुरिन्थियों 5:17 पुरानीबातेंबीतगईहैं।

B. 1 यूहन्ना 5:18 जोकोईपरमेश्वरसेउत्पन्नहुआहैवहपापनहींकरता।

C. 1 जॉन 1:7 यीशुकाखूनसभीपापोंसेशुद्धकरताहै।

D. यूहन्ना 8:36 तुमसचमुचस्वतंत्रहोजाओगे।

E. रोमियों 6:13–18 पापकाप्रभुत्वनहींहोगा।

F. तीतुस 2:11–12 मानवजातिधर्मपूर्वकजीवनजीसकतीहै।

G. 1 पतरस 2:21–22 ईसाइयोंकोपापनकरनेमेंमसीहकेउदाहरणकाअनुसरणकरनाचाहिए।

पाप कीपरिभाषाएँ

(नयानियम)

1. पापकानूनकाउल्लंघनहै.
   1 यूहन्ना 3:4

2. समस्तअधर्मपापहै।
   1 यूहन्ना 5:17

3. जोभलाईकरनाजानताहै
   औरनहींकरता,
   उसकेलियेयहपापहै।
   जेम्स 4:17

4. जोभीविश्वासकानहीं
   वहपापहै।
   रोमियों 14:23

प्रश्नरू :

कईईसाईहोनेकादावाकरतेहैंकिहरकोईहरदिन ष्कमयाज्यादाष पापकरताहै। क्याकोईईसाईपापकियेबिनारहसकताहै?

उत्तररू

हाँ। सच्चेईसाइयों कोनकेवलपाप –मुक्तिके बिनारहनाचाहिए, बल्किजीनाभीचाहिए। यहकिसीकी अपनीताकतयायो ग्यतासेसंभवनहींहै. किसीव्यक्तिकोपापके बिनाजीनेमें सक्षमबनानेकेलिएयीशुमसीहकेमाध्यमसेईश्वरकीदिव्यशक्तिकीआवश्यकताहोतीहै। पापएकऐसाशब्दहैजिसकाप्रयोगकईतरहसेकियाजाताहैऔरगलतियों, विकासकेक्षेत्रों औरपापकेबीचअंतरकोसमझनामहत्वपूर्णहै।

सभीनेपापकियाहै

"क्योंकिसबने पापकियाहै औरपरमेश्वरकीमहिमासेरहितहोगएहैं" (रोमियों 3:23)। हरकोईपापीरहाहै, क्योंकिकिसीभीव्यक्तिकेभीतरपापीशरीरकीशक्तिपरविजयपानेकीक्षमतानहींहै। मूसाकीव्यवस्थामानवजातिपरपापप्रकटकरनेकेलिएदीगईथी। मोजेककानूनकेतहत, परमेश्वरकेलोगोंनेअभीभीपरमेश्वरकेविरुद्ध अपराधकिए। उन्होंनेबलिदानचढ़ायेपरन्तुवेबलिदानअपूर्णथेऔरबैलों औरबकरोंकेलहूसे पापदूरनहींहु आ (इब्रानियों 10:4)।

कानूनअपूर्णथा

"जोकामव्यवस्थानहींकरसकी, इसकारणकिवहशरीरकेद्वारानिर्बलथी, परमेश्वरनेअपनेहीपुत्रकोपापमयशरीरकीसमानतामेंभेजा, औरपापकेबदलेशरीरमेंपापकोदोषीठहराया" (रोमियों 8:3)। यीशुइसधरतीपरआए, अपनाखूनबहाया, मरगए, औरपुनर्जीवितहुएताकिमानवजातिकोपापकी शक्तिऔरप्रभुत्वसेमुक्तकियाजासके। " उसकेपु त्रयीशुमसीहकालहूहमें सभीपापों सेशुद्धकरताहै" (1 यूहन्ना 1:7)। यीशु " शैतानकेकार्यों कोनष्टकरने" केलिएआये (1 यूहन्ना 3:8)। यीशुनेमनुष्यके लिएवहकियाजोमनु ष्यव्यवस्थाके अधीनकरनेमेंअसमर्थथा। यदिमनुष्यको मसीहकेमाध्यमसेपापमें जीनाजारीरखना थाजैसाकिकानूनकेतहतथा, तोयीशुकेखूनकीक्याआवश्यकताहोगी?

यीशु पाप की शक्ति से बचाता है

बचाताहै कईधर्मग्रं थयहस्प ष्टकरतेहैं किजिस व्यक्तिका नयाजन्महु आहै, उसेपापकीशक्तिसे मुक्ति औरमुक्तिमिलजातीहै। "...वहअपने लोगोंको उनकेपापोंसेबचाएगा" (मत्ती 1:21)। पापतुमपरप्रभुतानकरसकेगाय क्योंकितुमव्यवस्थाकेआधीननहीं, परन्तु अनुग्रहके आधीनहो।तोक्या? क्याहमपापकरें, क्योंकिहमव्यवस्थाके अधीननहीं, परन्तुअनुग्रहकेअधीनहैं? भगवाननकरे" (रोमियों 6:14–15)। "परन्तुपरमेश्वरकाधन्यवादहो, कितुमपापकेदासतोथे, परन्तुजोउपदेशतुम्हें दियागयाथा, उसकोतुमनेहृदयसेमानाहै। तबतुमपापसेमुक्तहोकरधर्मकेसेवकबनगए" (रोमियों 6:17–18)। स्पष्टत:, जबकोई हृदयसे परमे श्वरके वचनकापालनकरताहै, तोउसेनकेवलपापोंसेक्षमाकरदियाजाताहै, बल्किपापकीशक्तिसेभीमुक्तकरदियाजाताहै। श्मोक्षश कासारपापसेबचनेमेंहै।

"जाओऔरपापमतकरो।"

यीशुनेउसमहिलासेकहाजोव्यभिचारमेंपकड़ीगईथी, ष्जाओ, औरफिरपापनकरोष (यूहन्ना 8:11)। धर्मग्रंथआगेसिखाताहैकि ष्जोकोईईश्वरसेपैदाहुआहैवहपापनहींकरता ... (1 यूहन्ना 3:9)। मानवजातिका 'मसीहकेरक्तऔर अनुग्रहकेमाध्यमसे पापकिएबिनाजीनेकेलिएसशक्तबनायागयाहै।" इसलियेयदिकोईमसीहमेंहै, तोवहनईसृष्टियहैरू पुरानीबातेंबीतगईहैंय देखो, सबवस्तुएँनईहोगईहैं (2 कुरिन्थियों 5:17)। जबकोईव्यक्तिवास्तवमेंयीशुमसीहकीशक्तिके माध्यमसेबचायाजाताहैतोएकचमत्कारीपरिवर्तनहोताहै।एकईसाई – यीशु मसीहकाशिष्य, उनकेउदाहरणका अनुसरणकरसकताहैऔरपापकिएबिनारहसकताहै (1 पतरस 2:21–22)। धार्मिकजगतमें कईलोगोंने अधर्मकोमाफकरने केलिएइससरलसैद्धांतिकसत्यकोकमजोरकर दियाहै।

क्यागलतियाँपापहैं?

फिरसवालउठताहै, " तोआपकहरहे हैंकिएकईसाई कभीपापनहींकरता, कभीगलतीनहींकरता?" यहींपरपापकीपरिभाषाकोसमझनामहत्वपूर्ण है। एकईसाईमेंमुड़नेकीक्षमताहोतीहै मसीहकीशक्तिसे दूरहोजाओऔरपापके जीवनमेंवापसलौ टआओय लेकिनफिर, वहईसाईनहींरहेगा।

पापकिएबिनाजीनेकीकृपाऔरशक्तिहैजैसाि कधर्मग्रन्थद्वाराद र्शायागयाहै।

ईसाई विकास

ईसाई होतेहुएभीहम अभीभीइंसानहैं। इसलिए, हमअभीभीगलतियाँकरेंगे औरबुद्धिमेंकमीहोगी। हमविकास कीयात्रापरहैं, मसीहकीकृपा औरउनकी आत्माकेफलमें अधिकशक्तिकी तलाशकररहेहैं। धर्मग्रंथहमेंसिखाताहैकि ष्अनुग्रहमें, औरहमारेप्रभु औरउद्धारकर्तायीशु मसीहकेज्ञानमेंबढ़ें..." (2 पतरस 3:18) एकईसाईईश्वरकीचीजों मेंविकासकीयात्रापरहै – बढ़रहाहै औरमसीहकीतरहबनरहाहै।ऐसेसमयहोंगेज बएकईसाईउतनाधैर्यवानयाखुशनहींहोगाि जतनाउसेहोनाचाहिए।यहपापनहींहै, बल्किएकऐ साक्षेत्रहैजिसेस्वीकारकरने औरअधिकशक्तिऔरअनुग्रहकेलिएप्रभुकेपा सलानेकीआवश्यकताहै।

दिलस्थिरहै

एकसच्चेईसाईकेहृदयमेंईश्वरकोप्रसन्नकर नेकीविलक्षणइच्छाहोतीहै।एकईसाईकोअभ ीभीपरीक्षामेंडालाजाएगा, जैसेकियीशुको, फिरभीपापके लिएझुकेबिना (इब्रानियों 4:1)। प्रलोभनपापनहीं हैजैसाकिकुछलोगों नेसिखायाहै। एकक्रिस–टियनमनमेंआनेवालेहरविचारकी मददनहींकरसकताहै, लेकिनभगवान कीकृपासेउनचीजोंकाविरोधकरनेकीशक्तिहै जोप्रकृतिमेंपापपूर्णहैं।

पाप अलगाव लाताहै

पापहीमनु ष्यकोपरमेश्वरसेअलगकरताहै (यशायाह 59:2)। गलतियाँमनु ष्यको ईश्वरसे अलगनहींकरतीं जबतककिउन्हें गर्वितहृदयसेमाफनहींकियाजाताऔरउचित नहींठहरायाजाता। परमेश्वरकानै तिकनियममूसाकेअधीनआज्ञाओंकेमाध्यमसेि दयागयाथा।नैतिकताकीउससंहिताकोमसी हद्वाराबरकरारखागयाथाऔरमानककोऔर भीऊंचा उठायागयाथाक्यों कियीशुने पर्वतउपदेशमेंनकेवलकार्यबल्किहृदयकीस्थि ातिकाभीवर्णनकियाथा (मैथ्यू 5–7)।

पापकीपरिभाषाएँ

नयानियमपापकीचारप्रा थमिकपरि भाषाएँदेताहै – वेचीजें जोमनुष्यको ईश्वरकेसा थसंगतिसे अलगकरतीहैं। "सभीअधर्मपापहैं" (1 यूहन्ना 5:17)। "पाप कानूनकाउल्लं घनहै" (1 यूहन्ना 3:4)। "इसलियेजोकोई भलाकरनाजानताहै औरनहींकरता, उसकेलियेयहपापहै" (याकूब 4:17)। "जोकुछ भीविश्वासकानहीं हैवहपापहै" (रोमियों 14:23). ईश्वरकीसच्चीसं तानउनधर्मग्रं थोंकाउल्लं घनकिएबिना जीवितरहतीहै।

बुराईकाविरोधकरनेकीशक्ति

मसीहकेमा ध्यमसेईश्वरके नैतिककानू नकाउल्लं घनकिएबिनाजीने कीशक्तिहै क्योंकिमोजेककानूनकेतहतइसकाउल्लंघन कियागयाथा। एकईसाईजोझूठबोलताहै, चोरीकरताहै, धोखादेताहै, हत्याकरताहै, व्यभिचारकरताहैआदिअबईसाईनहींहै।इस केअलावा, एकसच्चाईसाई उनचीजोंको करनाश्चाहेगाश भीनहीं। यहपरमेश्वरकेसमक्षशु द्धहृदयकीस्थितिसे आताहै।हाँ, झूठबोलने याचोरीकरने काप्रलो भनहोसकताहै, ले किनउसवि चारकोई श्वरकी आज्ञाकारितामें लाने कीशक्तिहै। इसलिएकानूनकाकोईउल्लं घननहींहैऔरकार्ययाहृदयकीप्रेरणासेकोईअ धर्मनहींकियागयाहै।एकईसाईजोजानताहैि कईश्वरकेकानूनकीक्याआवश्यकताहैऔरज ानबूझकरअवज्ञाकरनाचुनताहै, उसनेपापकियाहै, क्योंकिवहजानताथाकिक्यासहीथाऔरवहअ ाज्ञाकारीबननेकीइच्छानहींरखताथा।इसके अलावा, वहकार्यआस्थाकानहींथा।एकईसाईकेपासि वश्वासकेअनुसारजीने, प्रेमकरनेऔरईश्वरकेनैतिककानूनकेतहतआ चरणकरनेकीशक्तिहै।

मोक्ष परिवर्तन लाता है

मोक्षसेफर्कपड़ताहै।यहलोगोंकोपापकिएबि नाजीनेमेंसक्षमबनाताहैक्योंकिइसमेंउनचीज ोंकोश्नहींश कहने कीकृपा औरशक्तिहै जोईश्वरसेअलगहैं। मुक्तिलोगों कोउनकीमानवतामें ईश्वरके औरकरीब आने औरआत्माके अधिकसे अधिकफलप्राप्त करनेमें सक्षमबनातीहै। मानवकीकमीपापनहींहै, बल्किविका सकेक्षेत्रहैं, जिन्हेंपूर्णकियाजासकताहै औरकियाजाएगाक्योंकिव्यक्तिकाहृदयईश्वर केसमक्षशुद्धऔरसहीरखाजाताहै। ईश्वरकीकृपाहमेंजीवनकेपरीक्षणोंऔरप्रलोभ नोंकेबीचभीबनाएरखनेऔरहमेंजीतदिलाने केलिएपर्याप्तहै।पाप–मुक्तिकेबिनाजीनेकीश क्तिकेलिएप्रभुकोधन्यवाद!

Printed Matter -Posted Under Rule 114 & 121 P&T Guide Indian Constitution Act 25th & 19(1) Section
TAMIL EDITION - FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

क्या आप जानते हैं

बाइबिलशब्दग्रीकशब्दबिब्लियासे आयाहै, जिसका अर्थहैय किताबें।
बाइबल 66 पुस्तकोंकाएकसंग्रहहैजिसमें 1189 अध्यायहैं।
पुरानेनियममें 39 पुस्तकेंहैं।
न्यूटेस्टामेंटमें 27 पुस्तकेंहैं।
प्रेरितपॉलनेन्यूटेस्टामेंटकी 14 पुस्तकेंलिखीं।
पुरानानियमहिब्रूमेंलिखागयाथा।
नयानियमग्रीकभाषामेंलिखागयाथा।
श्वसीयतनामाश शब्दकाअर्थश्अनुबंधश याश्संविदाश है।

अवसर का एक शब्द

तुम अधिक मूल्यवान हो

" औरउसने ख्यीशुने, उनसेकहा, तुमअलगजंगलमेंजाकरथोड़ाविश्रामकरोय क्योंकिबहु तलोगआते जातेथे, औरउन्हें खानेकीभीफु रसतनथी।" (मरकुस 6:31)

यीशुऔरउनके शिष्यसुसमाचारफै लानेऔरपरमे श्वरकेराज्यको आगे बढ़ानेके लिएकामकरने मेंव्यस्तथे। उन्हेंअभी–अभीखबरमिली थीकिजॉनदबै पटिस्टकासिरक लमकरदियागयाहै। शिष्य अपने आध्यात्मि कपरिश्रम औरउसकेसाथ आने वाले तनावों केकारणदुखी, थकेहुएऔर थकेहुएथे।

यीशुनेउन्हें भीड़से औरप्रभुके सक्रियकार्यसेकु छसमयनिकालकर आरामकरनेऔरस्वस्थहोने केलिए आमंत्रितकिया।" क्योंकिवहहमाराढाँ चाजानताहैय उसेयादहैकिहममिट्टीहैं "
(भजनसंहिता 103:14)

यीशुनेजीवनके तनावोंसे दूररहने औरआरामकरनेके लिएसमयनिकालने केमहत्वकोपहचाना। सच्चेमंत्रीऔरसु समाचारकार्य कर्ताअपनेआस–पास केलोगोंकीआत्माओं केलिएबहुतबड़ाबोझउठाते हैं।कभी–कभीजरूरतेंऔरबोझलगभगभारीपड़सकतेहैं।हमारीमंडलीकेएकवरिष्ठमंत्रीनेकहाकि ष्कभी–कभीसबसेआध्यात्मिकचीजजोआपकरसकतेहैंवहहैझपकीलेना।" परमे श्वरकेकार्य कोवास्तवमें तबलाभहो सकताहै जबमंत्री आरामकरने औरस्वस्थहो नेकेलिएकुछसमयनिकालें। मंत्रियोंको अक्सरभगवानकेबुलावे औरकिएजानेवाले कामकेबोझकेकारणप्रेरित औरदबायाजाताहै। कईमंत्रियोंको घबराहटहुईहै औरउनकास्वास्थ्यख राबहोगयाहै।

कभी–कभीजीवनकीसा मान्यगतिविधियोंसेदूर, कुछदिनों याहफ्तोंके लिएकिसीश्रेगिस्तानश स्थानपरचलेजाना औरतरोताजा औरनवीनीकृतहोना आवश्यकहोजाताहै। यहएकनईदृष्टि औरदृष्टिकोणप्राप्तकरनेकासमयहोसकताह ैऔरभगवानकेकार्य कोदोबाराप्रा थमिकतादे नेकाअवसरहोसकताहै। जबलोगोंकोआरामिलताहै, तोउनकादिमागसाफहो ताहैऔरवे अधिकउपलब्धिहासिलकरतेहैं। प्रभुकीतरहहमारे लिएभीयहपहचाननाजरूरीहै किहमें "अलगहोने औरकुछदेर आरामकरने" केलिएसमयनिकालने कीजरूरतहै।

CONTACT :-
The Editor,
Gospel Truth,
P.O. Box - 54
Pollachi Town
INDIA - 642 001.
Email :
vedhacog1954@gmail.com

प्रभु के प्रति पवित्रता

Published By :
The Church Of God, 2 / 227 - Church Street,
Kolarpatti, Pollachi, India - 642 107

Co-Ordinator : W.S.VEDHA, Cell : 0091 95975 62641.Email : vedhacog1954@gmail.com
Printer : Joy Printers, Pollachi - 642 001. Cell : 96592 54316